JAG-16070201010300 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. I) (CBCS) (W.E.F. 2016) Examination

November - 2019

Hindi : FND - 2

(Old Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ 'पत्नी' कहानी की नायिका सुनन्दा का चरित्र चित्रण कीजिए । १५

अथवा

१ कहानी कला के तत्वों के आधार पर 'उसने कहा था' कहानी का मूल्यांकन कीजिए । १५

२ सूचनानुसार उत्तर दीजिए : १५

(अ) निम्नांकित में से किन्ही सात कहावतों के अर्थ दीजिए : ७

(१) घर की मुर्गी दाल बराबर

(२) जैसी करनी वैसी भरनी

(३) खोदा पहाड़ निकली चुहिया

(४) कंगाली में आटा गीला

(५) रामनाम जपना पराया माल अपना

(६) जिसकी लाठी उसकी भैंस

(७) नाम बड़े दर्शन छोटे

(८) एक हाथ से ताली नहीं बजती

(९) न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी

(१०) गरजे सो बरसे नहीं

(ब) पल्लवन कीजिए : ८

'विदेशी भाषा का विद्यार्थी होना बुरा नहीं, पर अपनी भाषा सर्वोपरी है।'

अथवा

(ब) निम्नांकित परिच्छेद का संक्षेपण कीजिए : ८

आज से हजारों वर्ष पहले मनुष्य ने निश्चय किया था कि वह दरिद्रता की अवस्था में नहीं रहेगा, वह सामाजिक रूप में समृद्ध रहेगा । एक व्यक्ति नहीं, एक परिवार नहीं, एक जाति भी नहीं, बल्कि समूचा मानव समाज समृद्धि चाहता है, अदारिद्रय चाहता है, अमंगल का अन्त चाहता है, उल्लास और उमंग चाहता है । दीपावली का उत्सव उसी सामाजिक मंगलेच्छा का दृश्यमान मूर्तिमान रूप है । समूचा समाज आज दरिद्रता के अभिशाप से मुक्ति चाहता है, अभाव के शिकंजे से छूटना चाहता है । दीपावली उसके इस संकल्प की जलती हुई दीपशिखा है । राजवंश आये और गये, बड़े – बड़े समृद्धशाली नगर बने और बिगड़े, किन्तु मनुष्य की वह चिर प्रार्थित आकांक्षा नहीं पूरी हुई । आज भी वह लक्ष्मीजी की पूजा करता है, दरिद्रता की पीठ पर बैठकर । आज भी वह महाकाली की पूजा करता है, आतंक और भय से कंपित हृदय लेकर । कब यह पूजा सफल होगी ? कब महामाया का वह प्रसन्न मुख प्रकट होगा जिसे देखकर मनुष्य अभाव की मार से बच सकेगा ?

३ निम्नांकित में से किन्हीं तीन ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''कैसा बुरा रिवाज है जिसे जीते जी तन ढांकने को चिथड़ा ना मिले, उसे मरने पर नया कफन चाहिए ।''

(२) ''मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति साफ हो जाती है, सारे दृश्यों के रंग साफ होते हैं ।''

(३) ''मैंने सोचा था कि बरसों तुम सबसे अलग रहने के बाद अवकाश पाकर परिवार के साथ रहूँगा । खैर...! परसो जाना है, तुम भी चलोगी ।''

(४) ''ओह ! यह मरना क्या है ? उस मरने की तरफ उससे देखा नहीं जाता ।''

(५) ''आज मैं अपना प्रतिशोध का कृपाण अतल जल में डाल देती हूँ, हृदय ने छल किया, बार–बार धोखा दिया ।''

४ 'आकाशदीप' कहानी का कथानक लिखिए । १५

अथवा

४ मुनशी प्रेमचंद के जीवन – कवन पर प्रकाश डालिए । १५

५ 'दिल्ली में एक मौत' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । १०

अथवा

५ कफन कहानी का कथानक लिखिए । १०